(ख) फिलहाल, राज्य सरकार द्वारा नक्शों, अनुमानो और अन्य तकनीकी ब्यौरो/प्रारम्भिक कार्यों को अन्तिम रूप दिया जा रहा है। इनको अन्तिम रूप दिये जाने के बाद, निष्पादन के लिए कार्य शुरू कर दिया जायेगा।

आगरा-बम्बई राष्ट्रीय राजमार्ग पर इन्दौर के पास उपमार्ग

1170 **श्री राधा किशन मालवीय :** क्या जल भूतल परिवहन मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आगरा-बम्बई राष्ट्रीय राजमार्ग पर इन्दौर शहर के बाहर मागलिया से राऊ तक बनाए जाने वाले प्रस्तावित बाई-पास सड़क की लम्बाई कितनी है और इस प्रयोजन के लिये कितनी धन-राशि स्वीकृत की गयी है ;

(ख) क्या इस सबध मे पहले एक सर्वेक्षण करने के पश्चात् इस मार्ग पर कोई सीमाकन कर दिया गया था;

(ग) क्या यह भी सच है कि पहले किये गये सीमाकन को बदलने के लिये एक नया सर्वेक्षण किया जा रहा है; और

(घ) यदि हा, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) इन्दौर के समीप प्रस्तावित बाई पास की लम्बाई 31.60 कि० मी० है सर्वेक्षण और जांच पड़ताल के लिए 4 03 लाख रुपए की राशि और भूमि अधिग्रहण के लिए 2.45 करोड रुपए की राशि के प्राक्कलनो की मस्वीकृति दे दी गई है।

(ख) से (घ) जी, नही।

मध्य प्रदेश में रेलवे लाईन की लम्बाई

1171. **श्री राधाकिशन मालवीय :** क्या रेल मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अन्य राज्यों की तुलना में मध्य प्रदेश में प्रति 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में रेलवे लाइन की लम्बाई कम है;

(ख) यदि हा, तो स्थिति मे सुधार करने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है; और

(ग) मध्य प्रदेश के कितने जिलों में रेल सेवाए उपलब्ध नही हैं, क्या केन्द्रीय सरकार इन जिलो में रेल सेवाएं बढ़ाने के लिये प्रयास कर रही हे ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया). (क) मध्य प्रदेश में प्रति 100 वर्ग कि० मी० रेल लाइन अखिल भारतीय औसत से कम है।

(ख) नयी रेल लाइन का निर्माण, उद्योग, परिचालन आदि की विशिष्ट परिवहन आवश्यकताओ को पूरा करने के लिए किया जाता है।

मध्य प्रदेश मे मतना-रीवा और गुना-इटावा नयी लाइन का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। नीमच के निकट कोटा-नीमच नयी लाइन पर भी काम चल रहा है जिसका एक भाग मध्य प्रदेश मे पड़ता है।

(ग) दो। तथापि, शिवपुरी जिला गुना-इटावा नयी लाइन परियोजना द्वारा सेवित होगा।

राज्यों की राजधानियों को रेल सेवा से दिल्ली से जोड़ा जाना

1172 श्री राधाकिशन मालवी

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सभी राज्यों की राजधानियों के मुख्यालयों और दिल्ली के बीच कोई सीधा रेल सम्पर्क नहीं है, यदि हां, तो उसके क्या कारण है,

(ख) किन-किन राज्यों की राजधानियों के मुख्यालयों से दिल्ली के लिये सीधी रेल सेवा है; और

(ग) सभी राज्यों के राजधानी मुख्यालयों से दिल्ली के लिए कब तक रेल सम्पर्क उपलब्ध करा दिए जाने की सम्भावना है ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) जी हां। अरुणाचल प्रदेश, गोआ, जम्मू और कश्मीर, मिजोरम, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम राज्यों की राजधानियां रेल द्वारा जुड़ी हुई नहीं है।

(ख) आन्ध्र प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल राज्यों की राजधानियों का दिल्ली से सीधा रेल संपर्क है।

हिमाचल प्रदेश कालका में आमान परिवर्तन द्वारा जुड़ा हुआ है।

(ग) फिलहाल, उपर्युक्त भाग (क) में उल्लिखित राज्यों की राजधानियों को रेल द्वारा जोड़ने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

Survey on the children suffering from Eye diseases in the Schools in Delhi

1173. SHRI J P GOYAL Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that according to an examination conducted by the Delhi Administration about 2.5 lakh children studying in the schools run by the Delhi Administration, Delhi Municipal Corporation and the New Delhi Municipal Committee it was found that nearly 40 per cent of the children were suffering from some kind of eye disease; and

(b) if so, what are the facts in this regard and the action taken for the timely treatment of the eye disease among children ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE) : (a) As reported by Delhi Administration 1,90,832 school children studying in Middle, Secondary and Senior Secondary Schools were examined by its School Health Scheme during 1986. 29,538 children were found to be suffering from eye ailment. Majority of them (23,128) were suffering from defective vision only. No such survey has been conducted by Municipal Corporation of Delhi or New Delhi Municipal Committee. However the Municipal Corporation of Delhi have reported that 30% of the children were found to be suffering from one or the other eye disease during their periodical check-up in the M C D. schools New Delhi Municipal Committee have reported that 536 students were detected to be suffering from eye diseases between January 1987 and October 1987 during their regular medical examination conducted in N.D.M.C. schools

(b) Delhi Administration, Municipal Corporation of Delhi and the New Delhi Municipal Committee have fairly well-developed Schools Health Scheme The Delhi Administration have set up a School Health Clinic which caters to a cluster of 5-6 schools in adjoining areas and is manned by a Medical Officer, Public Health Nurse, Pharmacist and Attendants. Vision test is part of the routine examination and is applied to all school children.